

लय सहायक कलेक्टर, जयपुर शहर प्रथम
सुनहिलकुण्ड बनाम श्रीधर प्रतप

मा संख्या/वर्ष : दावा- ५६१/२०२५ / 20

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
---------------------------	----------------------	-------------

31/12/25

पत्रावली वास्ते आदेश प्राप्त
 वावत विद्ने क्रि जाने वाद-पत्र
 स्वै प्राप्त अन्तर्गत द्वारा-151
 सि० प्र० सं०, दिनांक 3/1/25 को
 पेश हो

श्री.
सहायक कलेक्टर
जयपुर शहर प्रथम

03/01/25

पत्रावली वास्ते आदेशार्थ पेश
 हुआ है। उभयपक्ष अधिवक्ता
 हाजिर हैं। पक्षी के प्रार्थना-पत्र
 वावत विद्ने क्रि जाने वाद-पत्र
 पर विचार किया गया। प्रार्थीगण
 ने स्वयं उपस्थित होकर न्यायालय
 में कथन किया है कि वे वाद
 को आगे नहीं चलाना चाहते हैं।
 आदेश-23 नियम-1. सिविल प्रक्रिया

श्री.
सहायक कलेक्टर
जयपुर शहर प्रथम

फर्द अहकाम

न्यायालय सहायक कलेक्टर, जयपुर शहर प्रथम

इन्जीनियरिंग बनाम श्रीमती प्रमोद

मुकदमा संख्या / वर्ष

दाया- 4612009 / 20

क्र०स०	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष
	03/11/25	<p>संहिता - 1908 में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार वादी, वाद संस्थित किए जाने के पश्चात् किसी भी समय अपने वाद का प्रत्याहरण कर सकता है। वादी/प्रार्थी का वाद अभी प्रारम्भिक स्तर पर है। अतः आदेश-23 नियम-1 सि० प्र० सं. के तहत एवं प्रार्थी द्वारा पेश प्र० पत्र के आधार पर वादी के दावे को आगे चलाए जाने का कोई औचित्य नहीं है। प्रार्थी का विद्वो प्र० पत्र इस शर्त के साथ स्वीकार किया जाता है कि प्रार्थी द्वारा इन्हीं पसकारों के मध्य एवं समान अनुतोष पर पुनः वाद पेश किया जाता है।</p>	

११

सहायक कलेक्टर

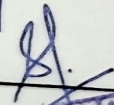
फर्द अहकाम

आलय सहायक कलेक्टर, जयपुर शहर प्रथम

सुनील कुमार बनाम श्रीकांत चमड़ा

दस्ता संख्या/वर्ष : 4145 - 46/2004 / 20

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
03/11/25	<p>इस प्राप्त्र पर आगे सुनवाई का कोई मौचित्य नहीं है।</p> <p>द्वितीय, प्रार्थी द्वारा यह प्राप्त्र अन्तर्गत धारा-151 सिविल प्रक्रिया संहिता प्रस्तुत किया गया है। पक्षकारों के पमान्तरण के लिए विधि में सुस्थापित प्रावधान हैं। अतः धारा-151 सिप्रॉस. में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया जाना उचित नहीं समझते हैं।</p> <p>अतः प्रार्थी के प्राप्त्र अन्तर्गत धारा -151 सिप्रॉस. पर, scope से बाहर होने के कारण एवं वादी का वाद विद्रोही होने के कारण, कार्यवाही शॉप की जाती है।</p>	


 कलेक्टर

फर्द अहकाम

न्यायालय सहायक कलेक्टर, जयपुर शहर प्रथम

बनाम विजयलक्ष्मी

मुकदमा संख्या/वर्ष

दावा - 46/2004 / 20

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्र०स० दिनांक आज्ञा या कार्यवाही

03⁰¹/₂₅

ती जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में राशि ₹ 5000/- जमा करवाने के पश्चात् ही पुनः नया दावा पेश करने की अनुमति होगी।

प्राप्त अन्तर्गत धारा-151, सि० प्र० सं., पर महनतापूर्वक विचार करने पर हम पाते हैं कि प्रार्थी द्वारा मुख्यतः वादीगण के स्थान पर प्रतिवादी/ प्रार्थी को वादी संयोजित कर वाद में अग्रिम कार्यवाही किए जाने का अनुरोध चाहा गया है।

अतः वादी का दावा विद्धो हो गया है ती अब

सहायक कलेक्टर
जयपुर शहर प्रथम

फर्द अहकाम

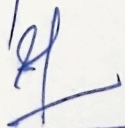
पालय - सहायक कलक्टर, जयपुर शहर प्रथम
 मुनीम कुमर बनाम - शोकाजय
 दमा संख्या / वर्ष : 46/2017 / 20

NO	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
----	---------------------------	----------------------	-------------

03/01/25

वादी का विडो प्रणपत्र स्वीकार होने से, दावा खारिज किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 03/01/25 को खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल सुमार होकर लिखित रूपतः हो।


 सहायक कलक्टर
 जयपुर शहर प्रथम